A Story by Rohan

भतीजी की चुदाई

हैलो दोस्तों! मेरा नाम रोहन है, मैं चण्डीगढ़ से हूं और इस साइट के लिए यह मेरी पहली कहानी है जो मेरे पहले सेक्सुअल एक्सपेरिएंस के बारे में है। कृपया मुझे बतायें कि यह कहानी आपको कैसी लगी?

बात तब की है जब मैं 12वीं में था। उन दिनों में मेरे भैया, जो कि मेरी बुआ जी के बेटे हैं, हमारे घर से दो घर छोड़ कर रहते थे। उन की दो बेटियां थीं। बड़ी वाली कॉलेज में थी और उसका नाम श्वेता था। वो मुझो भाई कहकर पुकारती थी। गर्मियों की छुट्टियां चल रहीं थीं और वो भी घर आई हुई थी। एक दिन वो घर पर अकेली थी, मेरे घर वाले भी घर पर नहीं थे सो मैं उसके घर टाईम पास करने चला गया।

मैंने जैसे ही बेल बजाई, श्वेता ने तुरंत दरवाजा खोल दिया मानों मेरा ही इंतज़ार कर रही थी। उसने स्लीवलेस टॉप और कैपरी पहनी हुई थी और बहुत सेक्सी लग रही थी। खैर मैं अन्दर गया और बैठ कर टीवी देखने लगा। उसने मुझो चाय पिलाई और हम दोनों कॉलेज की बातें करने लगे, काफी देर तक ऐसे ही चलता रहा फिर हम बोर होने लगे और लेट कर मूवी देखने लगे। क्योंकि हम दोनों के घर वाले शाम तक नहीं आने वाले थे इसलिए हम कुछ भी करने के लिये फ्री थे। मैंने नोटिस किया कि लेटे हुए उसके मम्मे दिख रहे थे जिससे मुझमें सेक्स जाग गया। मैंने श्वेता से पूछा क्या तुम मुझे अपने मम्मे दिखा सकती हो तो वो सहम गई और मुझसे पूछने लगी कि कोई देख लेगा तो मैंने कहा कि हम दोनों के घर वाले शाम तक नहीं आने वाले। इस पर वो तैयार हो गई और मैंने तुरंत उसके टॉप के अन्दर हाथ डालकर उसके मम्मे दबाने लगा और वो आह! आह! की आवाज़ निकालने लगी। इसके बाद तो मैं पागल हो गया और मैंने तुरंत उसका टॉप उतार कर फेंक दिया और अपनी भी शर्ट और जींस उतार कर नंगा हो गया। मेरा 8 इंच लंबा और 2 इंच मोटा लंड देखकर श्वेता गरम हो गई और मेरा लंड पकडकर चूसने लगी।

थोड़ी देर बाद हम दोनों झड़ गए, उसके बाद मैंने श्वेता की ब्रा और पैंटी भी उतार दी। अब मैं उसकी दोनों चूचियां देख सकता था क्या मस्त नज़ारा था एकदम गोल और मोटी मोटी। मैंने जरा भी देर नहीं की और चूचियों को मुंह में ले कर चूसने लगा। लगभग 15 मिनट तक यह सिलसिला चला उसके बाद दोनों 69 की पॉजिशन में आ गये और मैं उसकी गरमागरम गोरी चूत चाटने लगा और श्वेता मेरा लंड चूसने लगी। करीब 10 मिनट बाद हम उठे और मैंने उसको बिस्तर पर लिटा दिया। फिर क्या था मैंने झट से अपना लंड उस की चूत पर रखा और झट से अन्दर पेल दिया इस पर श्वेता चीख पड़ी भाई धीरे से डाल। पर मैं कहां मानने वाला था, मैंने जोर जोर से चुदाई शुरु कर दी और तेजी से अपना लंड उसकी गोरी चूत में अन्दर बाहर करने लगा।

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

अब तक श्वेता भी काफी गरम हो चुकी थी और उसे मज़ा आने लगा था। वो आह भाई आह भाइ! की आवाज़ों के साथ मेरा उत्साह बढ़ा रही थी। हमारी चुदाई का सिलसिला 20 मिनट तक चला और इस दौरान हम 3 बार झड़े। इसके बाद मैंने श्वेता की गांड भी मारी जिसमें हमें अत्यधिक आनंद प्राप्त हुआ। इसके बाद मैं घर चला गया पर चूंकि यह मेरी पहली चुदाई थी इसलिए मैं बेहद रवुश हुआ।

my email id is spyguyabhishek@rediffmail.com

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire